



VISION IAS

www.visionias.in



GENERAL STUDIES (TEST CODE : 2088)

Name of Candidate	Skivam Agarwal		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number	1082039
Center	Mukherjee Nagar	Date	09/08/2023

INDEX TABLE			INSTRUCTIONS
Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained	
1(a)	10		<p>1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code). उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।</p> <p>2. There are TWELVE questions printed in HINDI & ENGLISH इसमें बारह प्रश्न हैं हिन्दी और अंग्रेजी में छपे हैं।</p> <p>3. All questions are compulsory. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।</p> <p>4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it. प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।</p> <p>5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one. प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।</p> <p>6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to. प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।</p> <p>7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off. उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।</p>
1(b)	10		
2(a)	10		
2(b)	10		
3(a)	10		
3(b)	10		
3(c)	10		
4(a)	10		
4(b)	10		
5(a)	10		
5(b)	10		
6(a)	10		
6(b)	10		
7	20		
8	20		
9	20		
10	20		
11	20		
12	20		
Total Marks Obtained:			
Remarks:			
Signature of Examiner			

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp Punjab & Sindh Bank), Dr. Mukherjee Nagar
Delhi- 110009

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

खण्ड-A (Section-A)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए:

- 1.(a) दोहरे प्रभाव का सिद्धांत इस विचार पर आधारित है कि यदि किसी व्यक्ति का व्यवहार या आचरण किसी ऐसे लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए है जो नैतिक रूप से सही है, लेकिन उसके परिणामस्वरूप एक नैतिक दुष्प्रभाव भी पड़ता है, तब भी उस विशेष व्यवहार या आचरण को अपनाना स्वीकार्य होगा। यह सिद्धांत कठिन नैतिक स्थितियों को सुलझाने में कहां तक सहायता कर सकता है? उपयुक्त उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

The principle of double effect is based on the idea that if a person's behaviour or conduct is intended to achieve a goal which is morally good, however, as a result, there is a morally bad side-effect, then it is still acceptable to adopt that particular behaviour or conduct. How far can this principle aid in resolving difficult moral situations? Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

दोहरे प्रभाव का सिद्धांत से तात्पर्य है कि किसी भी

कृत्य के दो परिणाम होंगे - एक सकारात्मक और दूसरा

नकारात्मक। जैसे मैं नैतिक दुविधा उत्पन्न होती है कि

कृत्य को किया जाये अथवा नहीं।

जैसे - महाभारत युद्ध में अर्जुन के समक्ष संकट था

कि वह कौरवों के विकृत युद्ध लड़े या नहीं। जहाँ एक तरफ

सच्चाई की रक्षा के लिए युद्ध करना जरूरी था तो वहीं

दूसरी तरफ अपने चचेरे भाइयों को मारना नैतिक

रूप से गलत था।

इस सिद्धांत द्वारा कठिन नैतिक स्थितियों को सुलझाने में सहायता -

① व्यापक हितों को संकीर्ण हितों की तुलना में अधिक महत्व देना

जैसे- यदि किसी कर्मचारी ने अपने बच्चे के इलाज के लिए झुष्टाचार किया है तो अधिकारी द्वारा कर्मचारी को दंड क्योंकि ऐसा करने से कार्य संस्कृति झुष्टाचार मुक्त बनेगी हालांकि कर्मचारी की नौकरी जा सकती है।

② सर्वैधानिक मूल्यों, भावश्यों को आधार बनाने में सहायक बने ही कुछ लोग इससे असंतुष्ट हो

धु- सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश का मामला

महिलाओं की अनु०-14 के तहत समानता का अधिकार (सर्वोच्च न्यायालय)

हालांकि धार्मिक गुरु इस फैसले के विरोध में थे।

निष्कर्षतः इस सिद्धांत द्वारा

बहुजनहिताय बहुजनसुखाय के सिद्धांत को ध्यान में रखकर निर्णय करना चाहिए।

- 1.(b) भारतीय गणराज्य ने सारनाथ स्थित सम्राट अशोक के सिंह शीर्ष को अपने राष्ट्रीय प्रतीक के रूप में चुना, ताकि वैसी ही सद्भावना को प्रतिबिंबित किया जा सके जैसी सम्राट अशोक द्वारा हासिल की गई थी और आधुनिक भारतीय राष्ट्र के लोगों के लिए उनके द्वारा लागू की गई मानवीय नीतियों की निरंतरता बनी रहे। इस पृष्ठभूमि में, उन नैतिक शिक्षाओं पर चर्चा कीजिए जो सम्राट अशोक के जीवन में प्रतिलिखित होती हैं।

The Indian Republic chose Ashoka's Lion Capital at Sarnath as its state emblem to reflect the same harmony achieved by him and effect a continuity with his humane policies towards the people of the modern Indian nation. In this background, discuss the ethical teachings that find resonance in Ashoka's life. (Answer in 150 words)

10

सम्राट अशोक अपनी धम्म नीति, धार्मिक सहिष्णुता तथा व्यक्तिव में सकारात्मक अभिवृत्ति परिवर्तन के लिए जाने जाते हैं।

सम्राट अशोक की नैतिक शिक्षाएँ

- ① कलिंग युद्ध में हुई मौतों को देखकर उनके मन में युद्ध के प्रति नकारात्मक अभिवृत्ति विकसित हुई और उन्होंने बौद्ध धर्म (महपम मार्ग) को ग्रहण किया।

प्रासंगिकता- वर्तमान में चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध में भारत ने यह टिप्पणी दी है कि यह शांति का युग है, युद्ध का नहीं।

② अशोक की धार्मिक सहिष्णुता तथा धम्म नीति

उदा०- जब वर्तमान में हरिजाणा (नूड) में समुदायों
के बीच सांप्रदायिक झड़पें हो रही हैं जैसे मैं
अशोक के विचार मानवीय मूल्यों का विकास करते हैं।

③ अशोक के सारनाथ स्तंभ में राष्ट्रीय प्रतीक में
चींथे सिंह की अदृश्यता, सिविल सेवकों में अनामिका
के गुण को व्यक्त करती हैं जो दिखाई न देते हुए भी
अपनी उपस्थिति का सहसास कराते रहते हैं।

निष्कर्षतः अशोक

की नीतियाँ धार्मिक सहभाव, सर्वधर्मसमभाव
तथा आदर्श राजत्व के सिद्धांतों को स्पष्ट करती हैं
जो वर्तमान में भी प्रासंगिक हैं।

2.(a) करुणा और सहिष्णुता अनिवार्यताएं हैं, विलासिता नहीं क्योंकि इनके बिना मानवता जीवित नहीं रह सकती। करुणा और सहिष्णुता के मूल्य किसी लोक सेवक के दैनिक काम-काज में कैसे सहायता करते हैं? उपयुक्त उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए।

Compassion and tolerance are necessities and not luxuries, as without them, humanity cannot survive. How do the values of compassion and tolerance assist in the day-to-day functioning of a civil servant? Explain using suitable examples. (Answer in 150 words) 10

किसी व्यक्ति में किसी मनुष्य व्यक्ति / पशु-पक्षी मादि के दुख की समझने, महसूस करने तथा उसकी सहायता

करने का भाव ही **करुणा** कहलाता है।

जैसे - महात्मा बुद्ध तथा इसामसीद



मपने विरोधिपों को न केवल सहन करना बल्कि उनका सम्मान व उनसे प्रेम करना, **सहिष्णुता** कहलाता है।

जैसे- भारतीय संस्कृति का **वसुधैव कुटुम्बकम्** सहिष्णुता का मूल्य है।

करुणा और सहिष्णुता के मूल्य दैनिक जीवन में सहायक

① व्यापक हितों की प्राथमिकता देते हुए अधिकतम जनकल्याण सुनिश्चित करना

जैसे - एक बूढ़ी महिला जिसके पास पेंशन के पूरे कागज नहीं हैं, उसको समझ देकर उसका काम करना।

② वंचित वर्गों के प्रति सहानुभूति एवं प्रोत्साहन

जैसे- IAS इरा सिंचल ने अपने ऑफिस में ट्रांसजेंडर को नियुक्त किया है।

③ अपनी भालोचना से बचकर बिना आप विपरीत परिस्थितियों में भी उचित निष्पत्ति लेंगे।

जैसे- बिहार में IAS अधिकारी ने पथराव के दौरान घायल होने के बाद भी बीड़ हिंसा को नियंत्रित किया।

निष्कर्ष: करुणा

और सहिष्णुता का मूल्य "मिनिमम गवर्मेंट

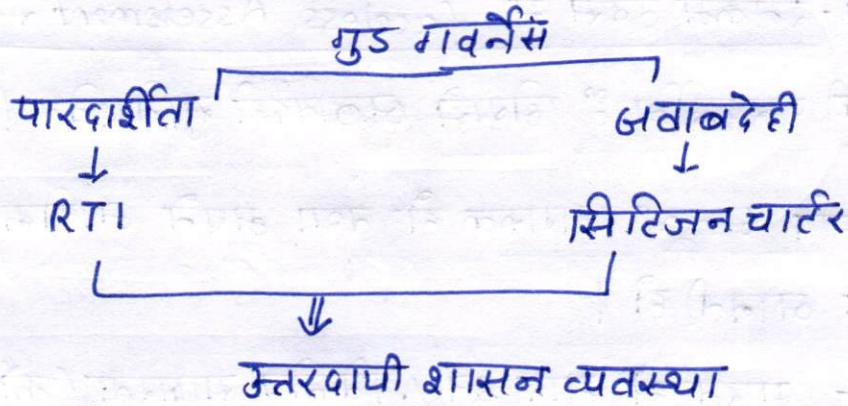
मैक्सिमम गवर्नेंस" तथा पारदर्शिता व जबाबदेही

को सुनिश्चित करता है।

2.(b) जवाबदेही के लिए पारदर्शिता एक अनिवार्य शर्त है, लेकिन यह स्वतः जवाबदेही की गारंटी नहीं देती है। चर्चा कीजिए किन परिस्थितियों में पारदर्शिता जवाबदेही की ओर ले जाती है?

Transparency is a necessary condition for accountability, but it does not automatically guarantee accountability. Discuss. Under what conditions does transparency lead to accountability? (Answer in 150 words) 10

ट्रांसपैरेंसी इंटरनेशनल के अनुसार - सरकार कब, क्णों, कहाँ, कैसे और क्या करती है, यह निर्भीक होकर जनता को बताना ही पारदर्शिता है।



जवाबदेही के लिए पारदर्शिता अनिवार्य शर्त

जैसे- मनरेगा योजना में जवाबदेही तभी सुनिश्चित की जा सकती है जब डेटा ही इसलिए geo-tagging की व्यवस्था की गई है।

किन्तु जब तक सोशल मॉडिटींग तथा शिकायत निवारण तंत्र की व्यवस्था नहीं होगी तब तक

Geo-tagging जैसी व्यवस्था का लाभ नहीं मिलेगा।

परिस्थितियाँ - पारदर्शिता, जबाबदेही की मोर ले जाती है

① जब डेटा पब्लिक डोमेन में हो तथा इससे सभी परिचित हों।

जैसे - इनकम टैक्स में faceless Assessment स्कीम ऐसी पारदर्शिता है जिससे जबाबदेही सुनिश्चित।

② यदि जनता जागरूक हो तथा अपने अधिकारों को जानती हो।

जैसे - भारत में मात्र 37% वित्तीय साक्षरता (कौशल विकास रिपोर्ट) के कारण ही वित्तीय घोटालों की अधिक संभावना।

निष्कर्षतः पारदर्शिता

तथा जबाबदेही एक-दूसरे के पूरक हैं तथा ये

गोपनीयता की संस्कृति की पारदर्शिता की

संस्कृति में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?
What does each of the following quotations mean to you?

(a) एक महान व्यक्ति एक प्रतिष्ठित व्यक्ति से इस मायने में भिन्न होता है कि वह समाज का सेवक बनने के लिए तैयार रहता है। डॉ. भीमराव अंबेडकर

“A great man is different from an eminent one in that he is ready to be the servant of the society.” B.R. Ambedkar (Answer in 150 words) 10

उपरोक्त कथन महानता तथा पद-प्रतिष्ठा के बीच अंतर करके मनुष्य जीवन के वास्तविक उद्देश्य को प्रकट करता है।

महान व्यक्ति तथा प्रतिष्ठित व्यक्ति में भिन्नता

① महान व्यक्ति अपने सम्मान की चाह के लिए काम नहीं करता बल्कि जनता की सेवा से प्रेरित होता है।

जैसे -) डॉ. D. Y. चंद्रचूड (CJI) ने दो ^{दिव्यांग} ~~(बिकल्प)~~ लड़कियों को गौद लिया है।

(ii) महात्मा गांधी ने 1932 में दलितों के साथ अस्पृश्यता को समाप्त करने के लिए हरिजन सेवक संघ की स्थापना की।

② जबकि प्रतिष्ठित व्यक्ति, सम्मान की भूख से प्रेरित होकर काम करता है।

जैसे- बहुत से लोग दान देकर उसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शीयर करते हैं ताकि उनके सम्मान में वृद्धि हो।

③ पद्मश्री पुरस्कार विजेता तुलसी गौड़ा ने कर्नाटक में 30,000 पाँचों लगाए और राष्ट्रपति भवन में सम्मान की भावना प्रदर्शित करने के लिए नंगे पाँव अवार्ड ग्रहण किए।

निष्कर्षतः "सर्वे भवन्तु

सुखिना, सर्वे सन्तु निरामयाः" जैसे विचार रसी

की प्रकट करते हैं कि समाज का सेवक बनकर ही सभी लोग सुखी हो सकते हैं।

3.(b) "हमारे धर्म अलग-अलग हो सकते हैं, भाषाएं अलग-अलग हो सकती हैं, त्वचा का रंग अलग-अलग हो सकता है, लेकिन हम सभी एक ही मानव जाति से संबंधित हैं।" कोफ़ी अन्नान

"We may have different religions, different languages, different colored skin, but we all belong to one human race." Kofi Annan (Answer in 150 words)

10

उपरोक्त कथन भारत की विविधता में एकता

तथा Melting Pot कल्चर जैसे विचारों को प्रदर्शित

करता है जहाँ विभिन्न धर्मों, भाषाओं तथा नस्लों के बीग रहते हैं।

सभी एक ही मानव जाति से संबंधित

① भारतीय संस्कृति सहिष्णुता के मूल्य पर आधारित है जिसमें भारतीयता को महत्व दिया जाता है, नस्ल, रंग, भाषा, धर्म को नहीं।

② भारतीय संविधान का अनु-14-18 "समानता के सिद्धांत को प्रदर्शित करता है।"

② भारत की संस्कृति गंगा-जमुनी तहजीब

कही जाती है। यहाँ धार्मिक सहिष्णुता का मूल्य गण

जाता है।

जैसे- कैरल में बाढ़ आने पर जब मस्जिदों में पानी भर गया था तो मंदिरों में नमाज पढ़ने के लिए मुस्लिमों के लिए दरवाजे खोल दिए गए।

③ हमारे धर्म, धर्मग्रंथ भी एक जाति अर्थात् मानव जाति का संदेश देते हैं।

हिन्दू धर्म - सबका मालिक एक

सिख धर्म - आदु सच जुगाद सच (मैं भी सच तू भी सच)

ईसाई - God is one.

④ साम्प्रदायिक सुधारक रामास्वामी परिवार ने भी

एक जाति, एक मनुष्य और एक ईश्वर का नारा दिया था।

निष्कर्षतः एक

मानव जाति की अवधारणा सांप्रदायिकता,

कैत्रवाद तथा नस्लवाद जैसी समस्याओं से निपटने

के लिए प्रासंगिक है।

3.(c) "शिक्षा का उद्देश्य तथ्यों का नहीं, बल्कि मूल्यों का ज्ञान है।" विलियम राल्फ इंगे

"The aim of education is the knowledge, not of facts, but of values."
William Ralph Inge (Answer in 150 words) 10

महात्मा गांधी के अनुसार - " शिक्षा से मेरा

तात्पर्य एक बालक के सर्वांगीण विकास के साथ
उसे नैतिक रूप से शिक्षित बनाना है।"

शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य

① मूल्यों की शिक्षा ग्रहण करना जिससे हम
अपने देश के प्रति कर्तव्यों को समझ सकें।

जैसे-; कबीर ने मनपढ़ होते हुए भी धार्मिक
सहिष्णुता की बात की।

ii) अकबर ने निरक्षर होते हुए भी इबादतखाना,
मुलदकुल की नीति, जजिरा कर बंद जैसे ^{निमित्त} कार्य किए।

iii) जबकि औसामा बिन नादेन एक कुशल
इंजीनियर होने के बावजूद भातंकवादी बन गया।

② शिक्षा केवल बड़ा माध्यारितन हो बल्कि नैतिक मूल्यों जैसे - सत्वानिष्ठा, लगान, परिश्रम जैसे गुणों का विकास करे।

उदा०) हाल ही में NEET की परीक्षा में अकृपाविधियों की नकल करते पापा जाना दिखाता है कि नैतिकता आवश्यक है, तथ्य नहीं।

③ महात्मा गांधी ने अपने "नई बालीम" के शिक्षा के मॉडल द्वारा शिक्षा को मूल्यों तथा आत्मनिर्भरता से जोड़ा था।

निष्कर्षतः नई

शिक्षा नीति, 2020 भी इसी उद्देश्य पर माध्यारित है कि छात्रों का चरित्र निमनि हो। दिल्ली सरकार ने स्कूलों में देशभक्ति पाठ्यक्रम लांच भी किया है।

- 4.(a) नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस की अवधारणा समता के संतुलन के सिद्धांत पर काम करती है, जिसके तहत एक तरफ कंपनी, ग्राहकों, आपूर्तिकर्ताओं, वित्त-पोषकों, सरकार और शेयरधारकों तथा दूसरी तरफ बड़े पैमाने पर समुदाय के हितों में संतुलन बनाए रखा जाता है। नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस सुनिश्चित करने में कौन-से मूल्य मुख्य भूमिका निभाते हैं?

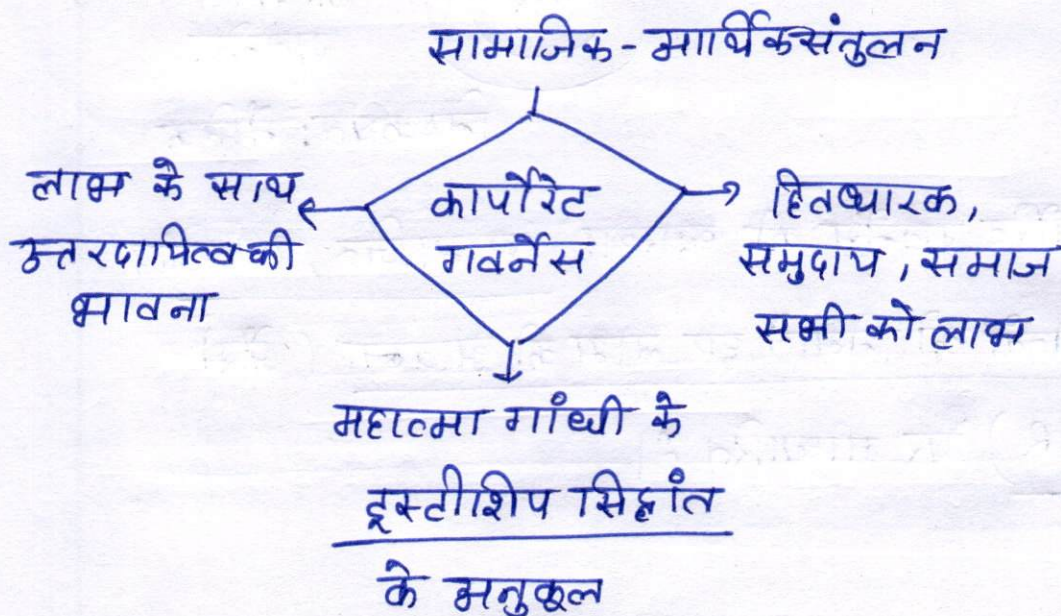
The concept of ethical corporate governance works on the principle of balance of equity, which seeks to balance the interests of the company, customers, suppliers, financiers, government and shareholders on the one hand and the community at large on the other hand. Which values play a central role in ensuring ethical corporate governance? (Answer in 150 words)

10

कॉर्पोरेट गवर्नेंस के अंतर्गत किसी कंपनी को चलाने के तरीके, निर्देश तथा सिद्धांत आते हैं;

जिसमें अनिवार्यतः नैतिक पक्ष शामिल होता है।

जैसे- हाल ही में मैडिशा ट्रेन हादसे में अनाथ बच्चों की पढ़ाई का खर्च अडाणी समूह ने उठाया है।



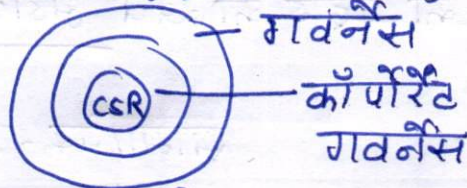
नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस सुनिश्चित करने से मूल्यों की सुरक्षा -

1) सत्यनिष्ठा भ्रष्टाचार - वचन - कर्म में अद्वैत होना
जैसे - टाटा का कैंसर अस्पताल (स्वास्थ्य)
अजीम प्रेमजी का विश्वविद्यालय (शिक्षा)

2) जबाबदेही तथा पारदर्शिता जिससे नीतियों का लाभ वंचित वर्गों तक पहुँचकर अधिकतम जनकल्याण सुनिश्चित करें।

3) करुणा तथा परसैवरेंस (perseverance) -

ताकि गरीब / वंचितों की वास्तविक मदद हो सके, दिखावे के लिए नहीं।



निष्कर्षतः नैतिक

कॉर्पोरेट गवर्नेंस की धारणा सामाजिक, पारिवारिक
दायित्वों को निभाते हुए लाभ की भावना (जैसे -
CSR) पर आधारित है।

- 4.(b) खराब कार्य परिवेश और अतिरिक्त श्रम ऐसी सामाजिक समस्याएं हैं, जिनके लिए सरकार, श्रमिक संघों, स्वास्थ्य अधिकारियों एवं कॉर्पोरेट जगत को उचित नीति निर्माण करने की आवश्यकता है। इस संबंध में उचित नीति निर्माण करते समय किन नैतिक मुद्दों पर विचार किया जाना चाहिए?

Toxic work environment and overwork are social problems, which require the government, labour unions, health officials and corporates to formulate appropriate policies. What are the ethical issues that should be considered while formulating appropriate policies in this regard? (Answer in 150 words)

10

किसी संगठन की कार्य संस्कृति यह दर्शाती है कि उसके कर्मचारियों को कैसा व्यवहार करना चाहिए ताकि विशिष्ट उद्देश्यों की प्राप्ति की जा सके।

जैसे- खराब कार्य परिवेश में बच्चों को देखकर IAS सौचिबीच ने अपने ऑफिस से AC हटवाकर कुपोषण पुनर्वास केंद्रों को दान में दे दी।

नीति निर्माण की आवश्यकता क्यों?

- ① अतिरिक्त श्रम, लोगों के शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक
- ② खराब कार्य परिवेश संगठन के हितों के साथ व्यक्ति की गरिमा को प्रभावित करता है।

जैसे- महिला उल्पीड़न की समस्याओं के कारण

महिलाएँ Night Economy का भाग नहीं बन पायीं।

नीति निर्माण के समय नैतिक मुद्दे

- ① जबरन या अतिरिक्त कार्य न कराया जाये बल्कि
सेवार्थी की रूछा से प्रेरित हो।
- ② कार्य संस्कृति में सुधार ताकि संगठन तथा
सेवार्थियों की उत्पादकता में सुधार
- ③ सभी को उचित वेतन तथा अवकाश की सुविधा
ध - मातृत्व, पितृत्व अवकाश आदि।
- ④ महिलाओं की कार्यस्थल पर सुरक्षा
- ⑤ मजदूर वर्गों जैसे - दिव्यांगों, ट्रांसजेंडरों के लिए
प्रोत्साहन जनक नीतियाँ।

निष्कर्षतः सभी वर्गों

की समावेशिता धुनिश्चित करके न सिर्फ 2025
तक भारत को 5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था बल्कि

SDG-8 (Decent work & economic growth)

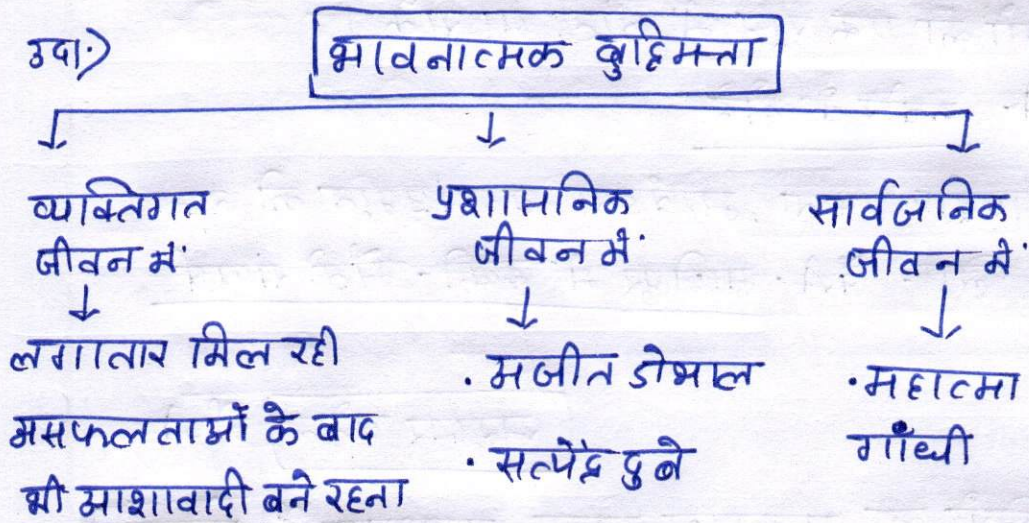
को प्राप्त किया जा सकता है।

5.(a) नेतृत्वकर्ताओं के लिए, सफलता हेतु भावनात्मक बुद्धिमत्ता का होना महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे उन्हें दूसरों की भावनाओं को सहजता से समझने और उनकी भावनात्मक स्थिति का आकलन करते हुए, अपनी भावनाओं को समझने एवं नियंत्रित करने में भी मदद मिलती है। हालांकि, वर्तमान परस्पर जुड़ी हुई दुनिया में प्रभावी नेतृत्व के लिए भावनात्मक बुद्धिमत्ता से परे जाने और सांस्कृतिक बुद्धिमत्ता को विकसित करने की आवश्यकता है। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए।

For leaders, having emotional intelligence is vital for success as it helps them to read and regulate their own emotions while intuitively grasping how others feel and gauging their emotional state. But effective leadership in today's interconnected world necessitates going beyond emotional intelligence and cultivating cultural intelligence. Discuss with illustrations. (Answer in 150 words)

10

डेनिएल गौलमैन के अनुसार - अपनी तथा दूसरों की मनःस्थितियों को समझने तथा उन्हें नियंत्रित करने की क्षमता को भावनात्मक बुद्धिमत्ता कहते हैं।



भावनात्मक बुद्धिमत्ता महत्वपूर्ण क्यों?

① जनता तथा प्रशासन के बीच के संबंध मजबूत

उदा०) IAS कौरातुम दिवेगौड़कर ने फर्श पर बैठकर दिव्यांग व्यक्ति से बातचीत की जब वह कुर्सी पर नहीं बैठ पाया।

② विपरीत परिस्थितियों में कार्य करने तथा सही निर्णय लेने का साहस

उदा०) IAS मशौक खैमका - निरंतर राजनीतिक दबाव के बावजूद कार्य

वैश्वीकरण के युग में सांस्कृतिक बुद्धिमत्ता की आवश्यकता

① ताकि विभिन्न भाषा-भाषी, धर्म, नस्ल के लोगों को एक सूत्र में बाँटा जा सके।

जैसे- कबीर के दोहे

② राष्ट्रपि एकता, मखंडता व संप्रभुता की रक्षा के लिए - जैसे- माणपुर में कुकी-मैती संघर्ष

सरदार पटेल जैसे

व्यक्तियों का अनुसरण करना आवश्यक है जिन्होंने अपनी सांस्कृतिक बुद्धिमत्ता से 552 देशी रिपासतों का भारतीय संघ में विलय सुनिश्चित किया था।

5.(b) शुचिता (प्रोबिटी) सत्यापित सत्यनिष्ठा होती है, जिसके बारे में आमतौर पर माना जाता है कि इसे विकृत नहीं किया जा सकता। अभिशासन में शुचिता का क्या महत्व है? लोक सेवा में शुचिता और नैतिक शासन को बढ़ावा देने में नेतृत्व की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है? उपयुक्त उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए।

Probity is confirmed integrity, which is usually regarded as being incorruptible. What is the significance of probity in governance? How important is the role of leadership in fostering probity and ethical governance in public service? Explain using suitable illustrations. (Answer in 150 words)

10

शुचिता, सत्यनिष्ठा का ही वह पक्ष है जो कार्यालयी या व्यावसायिक जीवन में पाया जाता है। यदि कोई व्यक्ति अपने व्यावसायिक जीवन का नैतिकता से पालन करता है, तो हम उसे शुचितापूर्ण व्यवहार से युक्त कहेंगे।

जैसे- IAS सत्येंद्र दुबे, बी. चंद्रकला, टी. एन. सैशन आदि।

अभिशासन में शुचिता का महत्व

- ① अधिकतम जनकल्याण सुनिश्चित
- ② सीमित संसाधनों से अधिकतम कार्य

जैसे- IAS मारमद्दोग पामे ने मागीपुर में 100km की सड़क बनवाई।

- ③ भ्रष्टाचार की रोकथाम
- ④ प्रशासन तथा जनता के बीच विश्वास निर्माण
जिससे जन भागीदारी सुनिश्चित
- ⑤ सेवा प्रदाय की गुणवत्ता में वृद्धि

शुचिता को बढ़ावा देने में नैतृत्व की भूमिका

- ① साधन-साधक की पवित्रता पर बल तथा जनता को नैतिक मार्गदर्शन
जैसे - महात्मा गांधी ने ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध
अहिंसक आंदोलन चलाया।
- ② टी. एन. सैशन ने चुनावी सुधार करके
निर्वाचन आयोग की शुचिता में वृद्धि की।
- ③ अबुदुल कलाम ने अपने राष्ट्रपति काल में
सादा जीवन - उच्च विचार की नीति को लोकप्रिय बनाया।
- ④ कार्य संस्कृति को मजबूत करना (ए. गिरणबेरी)

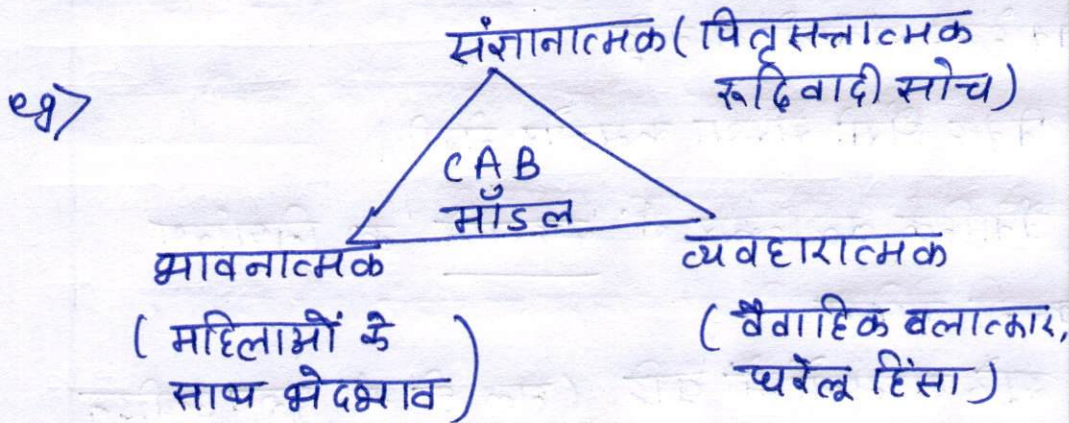
निष्कर्षतः IIARC

ने अपनी 4th रिपोर्ट (शासन में नैतिकता) में
शुचिता को सिविल सेवकों के लिए बुनियादी
मूल्य बताया है।

- 6.(a) भारत में वैवाहिक बलात्कार की धारणा और इसके प्रति अनुक्रिया को आकार देने में नैतिक अभिवृत्ति की भूमिका का विश्लेषण कीजिए। देश में वैवाहिक बलात्कार को अपराध घोषित करने में विद्यमान नैतिक मुद्दों की व्याख्या कीजिए।

Analyse the role of moral attitude in shaping the perception and response to marital rape in India. Explain the ethical considerations in criminalising marital rape in the country. (Answer in 150 words) 10

किसी भौतिक या मानसिक विषय के पक्ष या विपक्ष में सकारात्मक या नकारात्मक भाव की तीव्रता को अभिवृत्ति कहते हैं।



वैवाहिक बलात्कार की धारणा के प्रति नैतिक अभिवृत्ति की भूमिका

वैवाहिक बलात्कार के विषय में दो तरह की अभिवृत्ति प्रचलित हैं

एक तरफ वे लोग जो इसे उचित मानते हैं क्योंकि वे शादी करके पत्नी को लाते हैं।

पह नैतिक रूप से गलत है। पत्नी के गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार से छुड़ा मुद्दा।

सर्वे के अनुसार - लगभग 70% महिलाओं का मानना है कि इसमें कोई गलत बात नहीं है।

देश में वैवाहिक बलात्कार को अपराध घोषित करने में नैतिक मुद्दे

- ① इससे व्याभिचार को बढ़ावा मिल सकता है।
विवाहों संबंधों में वृद्धि
- ② विवाह जैसी संस्था कमजोर होगी।
- ③ वैवाहिक बलात्कार में "सहमति" का निर्धारण करना कठिन
- ④ झूठे मामलों में वृद्धि (हाल ही में पुरुष उत्पीड़न के कारण महिला आयोग के समानांतर राष्ट्रीय पुरुष आयोग के गठन की चर्चा ही रही है।)

निष्कर्षतः विवाह जैसी संस्था तभी सफल होगी जब परस्पर सम्मान (mutual respect) का भाव हो। इसके लिए

"आपसी सहमति" को ही सेक्स में प्रथमिकता दी जाये।

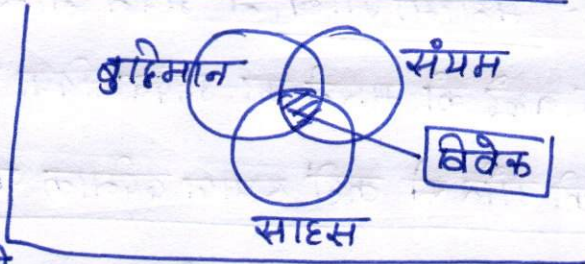
6.(b) नैतिक निर्णय के लिए चेतना के अलावा विवेक का होना भी आवश्यक है। उपयुक्त उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए।

Apart from consciousness, one needs to possess conscience in order to make ethical decisions. Explain with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

कांट के अनुसार - वह चारित्रिक विशेषता जिसके माध्यम से सही और गलत में अंतर करके सही को मात्रमसात किया जाता है, विवेक कहलाता है।

प्लेटो तथा अरस्तू ने विवेक को सर्वोच्च सद्गुण माना है।

नैतिक निर्णय के लिए चेतना के साथ विवेक की आवश्यकता



① वह व्यक्ति को स्वहित की मर्यादा व्यापक तथा सार्वजनिक हितों को महत्व देना सिखाता है।

जैसे - किसी व्यक्ति के पास साधारण प्रमाणीकरण नहीं

चेतना
↓
व्यक्ति को राशन नहीं दिया जाएगा

विवेक + चेतना
↓
व्यक्ति को राशन देना तथा साधारण प्रमाणीकरण की सुविधा प्रदान करना

जैसे- हाल ही में छत्तीसगढ़ POS मामला सामने आया था जिसमें राशन कार्ड के आधार से प्रमाणीकरण न होने के कारण राशन नहीं ⇒ बालिका की मौत

② वंचित वर्गों का अधिकतम कल्याण सुनिश्चित होगा ⇒ सुशासन स्थापित। (प्रबुद्ध भंतरात्मा)

जैसे- महात्मा गांधी ने अपने महिमा के मूल्य के बावजूद एक बहड़े को मारने का आदेश दिया क्योंकि उसकी पीड़ा उसकी मौत से कहीं ज्यादा दर्दनाक थी।

③ यदि विवेक नहीं तो चेतना से लिपे गये निर्णय गलत भी हो सकते हैं।

जैसे- हाल ही में IAS अधिकारी द्वारा अपने घरेलू कार्यों को न करने के कारण NRHM स्वास्थ्य कर्मियों की गैरिरी से हटाना।

निष्कर्षतः सुकराव

जैसे विद्वानों ने विवेक को मनुष्य समुहों में सर्वाधिक महत्व दिया है। II ARC की रिपोर्ट ⑫ नागरिक क्रेडिट प्रशासन इसे स्पष्ट करती है।

खण्ड-B (Section-B)

निम्नलिखित प्रश्नों में, प्रस्तुत मामले का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और फिर इसके बाद आने वाले प्रश्नों का उत्तर दीजिए (लगभग 250 शब्दों में):

7. भले ही LGBTQIA+ युगल एक साथ रहते हों लेकिन कानूनी तौर पर वे एक प्रतिकूल स्थिति में हैं। उन्हें वे सारे अधिकार प्राप्त नहीं हैं जो विवाहित जोड़ों को प्राप्त हैं। उदाहरण के लिए- LGBTQIA+ युगल, बच्चों को गोद नहीं ले सकते या सरोगेसी से बच्चा पैदा नहीं कर सकते हैं, उनके पास विरासत, भरण-पोषण और कर लाभ के स्वतः मिलने वाले अधिकार नहीं हैं तथा अपने साथी के निधन के बाद, उन्हें पेंशन या मुआवजे जैसे लाभ नहीं मिल सकते हैं। इससे भी बड़ी बात यह कि विवाह एक सामाजिक संस्था है जो कानून द्वारा निर्मित और विस्तृत रूप से विनियमित है, ऐसे में सामाजिक स्वीकृति के बिना, समलैंगिक युगल एक साथ जीवन जीने के लिए संघर्ष करते हैं।

समलैंगिक विवाहों को कानूनी मान्यता देने के लिए हाल के वर्षों में न्यायालयों में कई याचिकाएं दायर की गई हैं। लैंगिक अधिकार प्रचारकों के अनुसार, समलैंगिकता को अपराध की श्रेणी से बाहर करने के बाद समलैंगिक विवाह को मान्यता देना अगला तार्किक कदम होना चाहिए।

हालांकि, दूसरा दृष्टिकोण यह है कि न्यायिक व्याख्या विवाह की अवधारणा को अस्त-व्यस्त या कमजोर न कर दे। यह तर्क दिया जाता है कि सरकार के लिए बीच का रास्ता यह हो सकता है कि वह समलैंगिक युगल की दलीलों पर गौर करने और कोई रास्ता सुझाने के लिए किसी पैनल का गठन करे।

एक जागरूक व्यक्ति के रूप में, जो इस मुद्दे के विभिन्न आयामों को समझता है, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

- इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
- क्या आपको लगता है कि भारत में समलैंगिक विवाह को राज्य द्वारा मान्यता दी जानी चाहिए?
- आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए कि क्या कानून सामाजिक परिवर्तन लाने में प्रभावी हो सकता है।

Even if the LGBTQIA+ couples live together, legally, they are on a slippery slope. They do not enjoy the rights that married couples do. For example, the LGBTQIA+ couples cannot adopt children or have a child by surrogacy, they do not have automatic rights to inheritance, maintenance and tax benefits, and after a partner passes away, they cannot avail benefits like pension or compensation. Most of all, since marriage is a social institution that is created by and highly regulated by law, without this social sanction, same-sex couples struggle to make a life together.

A number of petitions have been filed in recent years in courts for the legal recognition of same-sex marriages. Gender rights campaigners believe that recognizing same-sex marriages is the next logical step after the decriminalization of homosexuality.

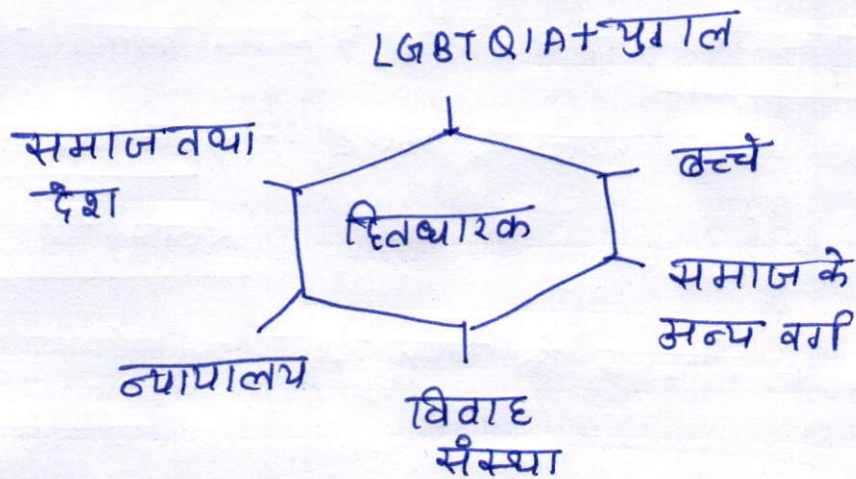
However, the other point of view is that the concept of marriage ought not to be disturbed or diluted by judicial interpretation. It is argued that a middle path could be for the government to set up a panel to look into the pleas of same sex couples and recommend a way out.

As an aware individual, who understands various dimensions of this issue, answer the following:

- Discuss the ethical issues involved in the case.
- Do you think same-sex marriage should be recognised by the State in India?
- Critically examine whether law can be effective in bringing about social change.

20

उपरोक्त केस स्टडी समलैंगिक विवाह के मुद्दे पर केन्द्रित है। हालांकि नवतैज सिंह जींदर बनाम भारत संघ मामले (2018) में उच्चतम न्यायालय ने समलैंगिकता को अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया है।



मूल्य ① समानता का अधिकार (Art 14)

② गरिमापूर्ण जीवन जीने का अधिकार (Art 21)

③ निष्पक्षता

व) नैतिक मुद्दे

- लैंगिक
- i) समविवाह को कानूनी मान्यता देना जिससे समलैंगिक जोड़ों को बच्चों को गोद लेने, संपत्ति जैसे अधिकार मिलें।
 - ii) गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार तथा समानता का अधिकार सुनिश्चित करना (Art 14 & 21)
 - iii) विवाह-संस्था की गरिमा को भी बनाए रखना
 - iv) समावेशी एवं सतत विकास सुनिश्चित करना जिसमें सभी नागरिकों को बराबर अधिकार मिलें
 - v) भेदभाव का अंत करना।

ब) दॉ. मेरी राय के अनुसार भारत में समलैंगिक विवाह को कानूनी दर्जा देना चाहिए किन्तु कुछ पूर्व शर्तों के साथ -

i) सभी हितधारकों को शामिल करके एक
पैनल का गठन किया जाये

ii) समाज में वंचित पक्षों के प्रति जागरूकता
निर्माण व अभिवृत्ति परिवर्तन

जैसे- शुभमंगल उत्पाद सावधान तथा तानी

जैसी फिल्मों से पर्सुऐशन

iii) रोल मॉडल की मदद लेकर

जैसे- दिल्ली हाईकोर्ट के नौ जज - सौरभ कुमार

सौइता मंडल - प्रथम ट्रांसजेंडर महिला जज

गौरी सावंत

iv) समाज के सभी वर्गों की सहमति से कानून
निर्माण किया जाये।

c) कानून सामाजिक परिवर्तन लाने में
प्रभावी हो सकता है।

पक्ष

- ① कानून की सहायता से भैदभाव की समाप्ति
- ② अवसरों तक समान पहुँच सुनिश्चित
- ③ सभी अधिकार प्राप्त



जिसमें धीरे-धीरे सामाजिक स्वीकार्यता में वृद्धि

विपक्ष

- ① केवल कानून निर्माण पर्याप्त नहीं
(चूँकि बाल विवाह के विरुद्ध कानून होनी के बाद भी बाल विवाह प्रचलित)
- ② विवाह जैसी संस्था पर ठेस के कारण सामाजिक स्वीकार्यता प्राप्त नहीं
- ③ लोग अपने बच्चों के भविष्य के लिए इसे नकारात्मक मानते हैं।

निष्कर्षतः, कोई समाज

तभी सक्षम कहलाता है जब वह उन लोगों को अपनी परंपरा में जोड़ पाता है जो उनसे अलग हैं। कानून निर्माण से जैसे दिव्यांगों के अधिकार सुनिश्चित हुए हैं वैसे ही उन्हें दया / दान माध्यमित दृष्टिकोण भी बजाय अधिकार माध्यमित दृष्टिकोण से जोड़ना चाहिए।

8. लॉयड एक सच्चा और ईमानदार अधिकारी है। वह एक ऐसे राज्य में पुलिस अधीक्षक के रूप में कार्यरत है, जो गैंग कल्चर और आपराधिक गतिविधियों के लिए कुख्यात है। उसके बेदाग ट्रैक रिकॉर्ड के आधार पर, उसे चार महीने पहले राज्य की राजधानी में स्थानांतरित कर दिया गया था। इससे उसकी पत्नी और बेटी भी खुश हैं क्योंकि उनकी पिछली सभी पोस्टिंग की तुलना में राजधानी अपेक्षाकृत सुरक्षित है।

हाल ही में, एक अपराधी जिस पर मुकदमा चल रहा था और उस पर कई गंभीर मामलों के आरोप थे, की अदालत ले जाते समय कुछ लोगों ने राजधानी में हत्या कर दी।

पुलिस हिरासत में अपराधियों की मौत के मामले में राज्य पुलिस का रिकॉर्ड खराब होने के कारण कई मानवाधिकार संगठन इस मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। उन्होंने इस मामले में अदालतों का दरवाजा खटखटाया है और बाद में इसकी जाँच-पड़ताल के लिए राज्य सरकार द्वारा एक विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया गया है।

चूंकि इस घटना के दौरान अपराधी को ले जाने वाले पुलिस अधिकारी उस पुलिस स्टेशन से हैं जो लॉयड के अधिकार क्षेत्र में आता है, इसलिए उसे सभी विवरणों के साथ SIT के सामने पेश होना होगा। जांच के दौरान लॉयड को ऐसे विवरण मिले, जो स्पष्ट रूप से एक प्रमुख राजनेता और अपराधी के बीच सांठगांठ को प्रदर्शित करते हैं। उसने एक रिपोर्ट तैयार की और इसे SIT के साथ साझा करने की योजना बना रहा है। उसके निष्कर्षों के आधार पर, संबंधित अपराधी और राजनेता की सांठगांठ उजागर होगी तथा राजनेता पर भी आरोप लग सकते हैं।

लॉयड के वरिष्ठ अधिकारियों ने उससे रिपोर्ट के निष्कर्षों के बारे में पूछा और रिपोर्ट से राजनेता को प्रभावित करने वाली जानकारी को हटाने की सलाह दी। लॉयड ने बताया कि रिपोर्ट में उल्लिखित राजनेता सार्वजनिक जीवन में एक बहुत ही प्रमुख व्यक्ति है और राज्य के सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के साथ उसके संबंध भी अच्छे हैं। लॉयड के वरिष्ठ अधिकारियों ने उसे समझाते हुए कहा कि यदि वह उस राजनेता का नाम हटा देगा तो वह सत्ता में बैठे राजनेता का चहेता बन सकता है। इसके अलावा, उसे राजधानी में तैनात रहने में भी मदद मिलेगी, जिससे उनकी पत्नी और बेटी की सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

(a) इस स्थिति से निपटने के लिए लॉयड के पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं?

(b) प्रत्येक विकल्प का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए और लॉयड द्वारा अपनाने योग्य सबसे उपयुक्त विकल्प की पहचान कीजिए।

(c) पुलिस हिरासत में होने वाली मौतों को रोकने के लिए आप क्या उपाय सुझाएंगे?

Lloyd is an honest and upright officer working as the Superintendent of Police in a state, which is notorious for gang culture and criminal activities. Based on his impeccable track record, he was transferred to the state capital four months ago. His wife and daughter are also happy as the capital city is comparatively safer compared to all his previous postings.

Recently, a criminal who was under trial and facing charges in a number of serious cases, was killed by some people in the capital city while he was being taken to the court.

Due to the poor record of the state police in terms of death of criminals in police custody, various human rights organizations are demanding a fair enquiry in the case. They have approached the courts in this matter and subsequently a Special Investigation Team (SIT) has been formed by the state government to look into this issue.

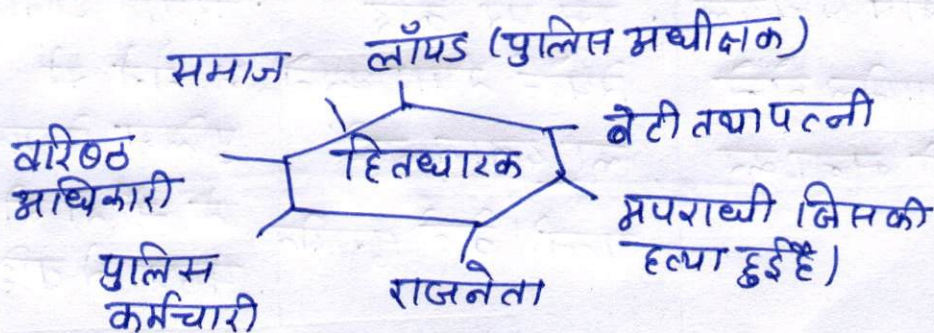
Since the police officers escorting the criminal during this incident are from the police station that comes under Lloyd's jurisdiction, he will be required to depose before the SIT with all the details. While investigating, he came across details, which clearly establish a nexus between a prominent politician and the criminal. He prepared a report and was planning to share it with the SIT. On the basis of his findings, the nexus of the concerned criminal with the politician would be exposed and the politician may also face charges.

Lloyd's senior asks him about the findings of the report and advises him to drop the information implicating the politician from the report. He informs that the politician mentioned in the report is a very prominent figure in public life, and shares good relations with all the major political parties in the state. His senior further informs that this will bring him in the good books of those in positions of power. Further, this will also help him remain posted in the capital city, which ensures the safety of his wife and daughter.

- What are the options available with Lloyd to deal with the situation?
- Critically evaluate each of the options and identify the most appropriate one for Lloyd to adopt.
- What measures would you suggest to prevent deaths in police custody

20

उपरोक्त केस स्टडी स्वहित बनाम सार्वजनिक
हित जैसे मुद्दों पर केन्द्रित है। जहाँ भीड़ हत्या
का एक पक्ष शामिल है। NCRB के अनुसार - वर्तमान
में पुलिस हिरासत के दौरान होने वाली मौतों
में 33% की वृद्धि हुई है।



नैतिक दुविधाएँ-

- 1) लाभ बनाम सार्वजनिक हित
- 2) साहस बनाम कायरता
- 3) पारदर्शिता बनाम दबाव

v] लॉयड के पास विकल्प व मूल्यांकन
 & b]

विकल्प	पक्ष	विपक्ष
① रिपोर्ट से राजनेता का नाम हटा दे जैसा वरिष्ठ अधिकारियों ने सलाह दी है।	<ul style="list-style-type: none"> • उसके अन्व राजनेताओं से संबंध भूट्टे • राजधानी में नौकरी ⇒ पत्नी तथा बेटी सुरक्षित 	<ul style="list-style-type: none"> • इसके कारण नेता-अपराधी गठजोड़ उजागर नहीं हो पायेगा
② विशेष जांच दल में शामिल होने से ही मना कर दे।	<ul style="list-style-type: none"> • उस पर कोई रिपोर्ट तैयार करने का दबाव नहीं • पत्नी/बेटी सुरक्षित 	<ul style="list-style-type: none"> • रिपोर्ट सार्वजनिक न होने से पुलिस हिरासत में मौतों की संख्या में वृद्धि

	पक्ष	विपक्ष
③ रिपोर्ट प्रस्तुत करे तथा नेता का नाम न हटाये मले ही उसका ट्रॉसफर राजधानी के बाहर हो जाये	<ul style="list-style-type: none"> इससे नेता-अपराधी गठजोड का खुलासा होगा पुलिस हिरासत में होने वाली मौतों पर मंजुर 	<ul style="list-style-type: none"> उसका ट्रॉसफर राजधानी से बाहर बैटी तथा पत्नी नाबुश हो सकते हैं

2nd part - लॉयड को विकल्प ③ को चुनना

चाहिए क्योंकि संवैधानिक मादश किसी लोक सेवक को निष्पक्षता तथा गैर-तरफदारी

वैसे मूल्यों की शिक्षा देते हैं। इससे जहाँ नेता-

अधिकारी गठजोड उजागर होगा वहीं पुलिस

हिरासत में होने वाली मौतों में कमी आएगी।

७) पुलिस हिरासत में मौतों को रोकने के उपाय -

तात्कालिक उपाय -

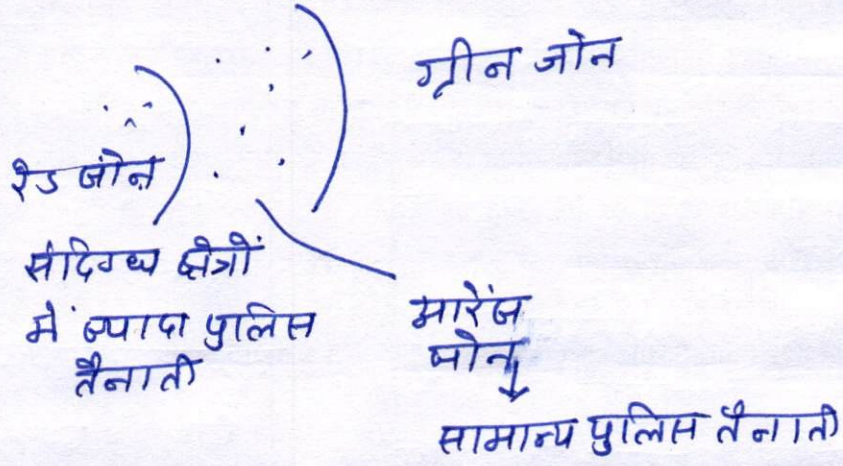
- 1) पुलिस बलों को प्रशिक्षित करना ताकि वे आपात स्थिति से निपट सकें।
- 2) अपराधियों से संबंधित जानकारी गुप्त रखना तथा सार्वजनिक रूप से लीक न करना
- 3) जागरूकता निर्माण - स्थानीय सहयोग आदि।

दीर्घकालिक उपाय -

महाराष्ट्र की IPS तैजस्वी सत्तपुते के समान
कार्यप्रणाली विकसित करना

- 1) SMART पुलिसिंग का विचार
 - Sensitive
 - मोरल
 - एकाउंटेबल
 - अनुक्रियाशील
 - पारदर्शिता

- 2) क्षेत्र आधारित रणनीति बनाना



- 3) अपराधियों तथा राजनेताओं के गठजोड़ को ठूँसना करना
- 4) राजनीतिक दलों को RTI के तहत लाना।

निष्कर्षतः प्रकाश

सिंह केस में उच्चतम न्यायालय द्वारा दिये गये
दिशानिर्देशों से पुलिस सुधार की आवश्यकता है।

9. राज, बेहद गरीब परिवार से है और आर्थिक तंगी के कारण उसे अपनी उच्चतर शिक्षा भी ठीक से नहीं हो पाई। हालांकि, वह मेहनती था और उसने अपने परिवार का समर्थन करने के लिए कॉलेज के दिनों में ही कमाई शुरू कर दी थी।

उसने अपना करियर, ग्राहक सहायता विभाग में बनाया तथा उसकी ईमानदारी और कड़ी मेहनत के कारण उसे पदोन्नत भी किया गया। हाल ही में, उसे एक बेहद नामी एड-टेक कंपनी से नौकरी का ऑफर मिला। उसने इस ऑफर को सहर्ष स्वीकार कर लिया, क्योंकि यह कंपनी उसके वेतन में अच्छी वृद्धि के साथ-साथ टीम लीड पद पर पदोन्नति ऑफर कर रही थी।

राज इस नई नौकरी से बहुत खुश था और उसे लगा कि उसकी कई वर्षों की मेहनत आखिरकार सफल हो गई है। उसकी नई नौकरी में वेतन में उल्लेखनीय वृद्धि से उसके लिए उसकी छोटी बहन को पढ़ाना आसान हो जाएगा। हालांकि, कंपनी में ज्वाइन करने के कुछ महीनों के भीतर ही राज को एहसास हुआ कि कंपनी की व्यावसायिक प्रथाओं में कुछ गड़बड़ी है। उसकी ग्राहक सहायता टीम को प्रायः गरीब छात्रों के माता-पिता के फोन आते रहते थे जिन्होंने शिकायत की थी कि कंपनी उन्हें विभिन्न महंगे पाठ्यक्रमों के लिए ऋण या वित्त-पोषण विकल्पों पर गुमराह कर रही है।

कुछ विवरणों को जानने के बाद उसे एहसास हुआ कि उसकी कंपनी की सेल्स टीम गरीब माता-पिता को अपने बच्चों हेतु पाठ्यक्रम खरीदने के लिए लुभाने में कदाचार का सहारा लेती थी। राजू ने इसकी जानकारी अपने विभाग के प्रमुख को दी लेकिन विभागाध्यक्ष को इसकी कोई चिंता नहीं थी। उसके कुछ सहकर्मियों ने उसे बताया कि सेल्स के लक्ष्य को हासिल करने के लिए एड-टेक उद्योग में यह एक आम प्रणाली है। इसके अलावा, उसे यह भी बताया गया कि हाल ही में स्टार्ट-अप्स में फंडिंग की कमी के कारण कंपनी पर मुनाफा दिखाने का अधिक दबाव है, अन्यथा बड़े पैमाने पर छंटनी होगी।

- इस प्रकरण से जुड़े नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
- उपर्युक्त परिस्थितियों में, राज के पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं?
- इनमें से प्रत्येक विकल्प का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।
- राज को कौन-सी कार्रवाई अपनानी चाहिए? वैध कारणों के माध्यम से पुष्टि कीजिए।

Raj comes from a very poor family and due to financial constraints, he had to compromise on his higher education. But, he was hard-working and started earning during his college days to support his family.

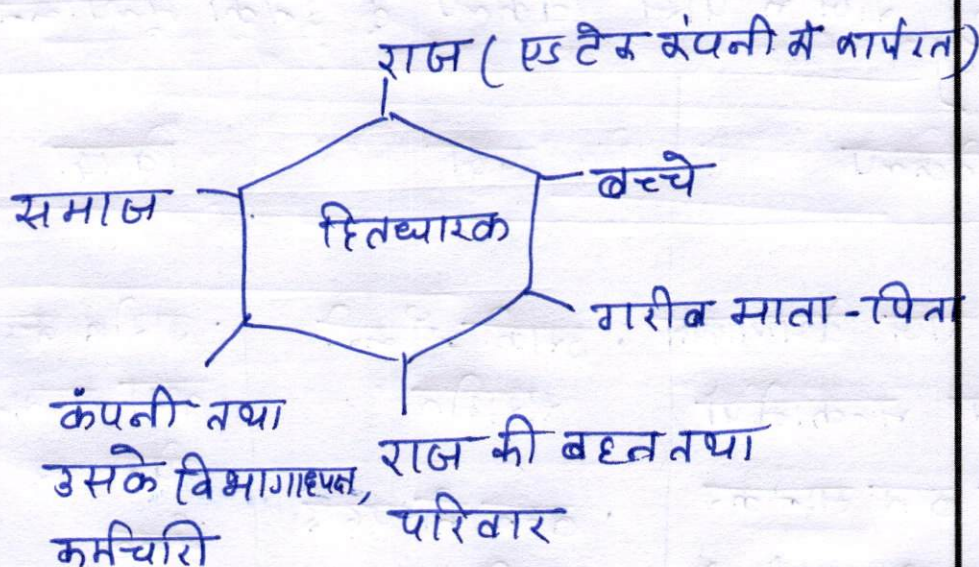
He made his career in the customer support department and due to his integrity and hard work, he was promoted. Recently, he got a job offer from a very prominent ed-tech company. He happily accepted the offer, as the company was offering a significant salary hike as well as promotion to a Team Lead position.

Raj was really happy with this new job and felt that his hard work of many years had finally paid off. The significant salary jump in his new job would also help him sponsor the education of his younger sister. But, within a few months of joining, Raj realized that something was wrong with the business practices of the company. His customer support team frequently received calls from parents of poor students who complained about the company misleading them on loans or financing options for the various expensive courses.

After going into some details, he realized that the sales team of his company was indulging in malpractices to lure poor parents to buy courses for their children. He informed this to the head of his department but the head did not seem concerned. Some of his colleagues informed him that this is a normal practice in the ed-tech industry to achieve sales targets. Further, he was also informed that due to the recent funding crunch in start-ups, the company is under severe pressure to show profits, else there will be mass layoffs.

- Identify the ethical issues associated with the case above.
- Under the given conditions, what are the options available to Raj?
- Critically evaluate each of these options.
- What course of action should Raj adopt? Justify with valid reasons. 20

उपरोक्त केस स्टडी नैतिक दुविधा तथा हितों
के संघर्ष पर केन्द्रित है। जिसमें सत्पानिषण,
पारदर्शिता, जबाबदेहिता जैसे मूल्यों का परीक्षण
शामिल है।



v) नैतिक मुद्दे

- i) भ्रष्टाचार का मुद्दा
- ii) शिक्षा का अधिकार (Art-21A)
- iii) एड-टेक ब्यौग में व्याप्त विसंगतियाँ
- iv) हित संघर्ष - स्वहित बनाम सार्वजनिकहित
- v) स्टार्टअप्स में फंडिंग चुनौतियाँ
- vi) सत्पनिष्ठा बनाम दबाव

b) राज के पास विकल्प व उनका मूल्यांकन
६c)

विकल्प	पक्ष	विपक्ष
1) राज विभागाध्यक्ष तथा सहकारियों की बात मानकर कुछ भी कार्यवाही न करे	<ul style="list-style-type: none"> • उसकी नौकरी सुरक्षित • बहन की पढ़ाई जारी 	<ul style="list-style-type: none"> • गरीब बच्चों तथा माता-पिता पर संकट • शिक्षा बाधित हो जाएगी गरीबों की।

	पक्ष	विपक्ष
2) सूड-टैरु उपयोग की निखित शिकायत करे	<ul style="list-style-type: none"> इससे गरीब माता-पिता को सहायता गरीब बच्चों को कुछ सहायता मिल सकती है। 	<ul style="list-style-type: none"> नौकरी दिन जापेगी बहन की पढ़ाई खराब उपयोग की प्रतिष्ठा नुकसान
3) सभी दितधारकों को शामिल करे तथा माता-पिता को सूचित करे। कंपनी से इस्तीफा देकर उसके खिलाफ शिकायत करे	<ul style="list-style-type: none"> इससे समाज में जागरूकता निर्माण उपयोग की अनैतिक प्रथाओं पर रोक 	<ul style="list-style-type: none"> नौकरी दिन जापेगी दूसरी नौकरी मिलने में समझ लग सकता है बहन की पढ़ाई खराब

व) राज को विकल्प ③ के अनुसार अपनी

कार्यवाही कांट के सार्वभौमिकता के

सिद्धांत के अनुसार करनी चाहिए - क्योंकि

i) इससे कंपनी की व्यावसायिक गड़बड़ियाँ

पर रोक लगेगी तथा कार्पोरेट एधिक्स एक्ट्स

ii) गरीब बच्चे भी अपनी पढ़ाई जारी रख पायेंगे।

iii) दीर्घकालिक रूप में बेहतर शिक्षित नागरिकों
बनेंगे तथा जागरूकता का निर्माण होगा।

निष्कर्षतः सही

उपयोगों की थर्ड पार्टी मानीटरिंग तथा

उसकी रेटिंग पब्लिक डोमेन में होनी चाहिए

ताकि कार्पोरेट एधिक्स सुनिश्चित हो सके।

(उदय कोटक समिति, 2013)

10. नगर निगम प्रमुख के रूप में, आपको एक चुनौतीपूर्ण स्थिति का सामना करना पड़ रहा है जिसमें संबंधित नागरिकों के दो समूहों ने आपसे संपर्क किया है। पहला समूह शहर में आवारा कुत्तों के खतरे के बारे में अपनी निराशा एवं चिंता व्यक्त कर रहा है और दूसरा समूह, इन बेजुबान जानवरों के प्रति करुणा व मानवीय व्यवहार को प्रोत्साहित करने की दिशा में कदम उठाने का आग्रह कर रहा है।

पहली याचिका में आवारा कुत्तों द्वारा समाज के सुभेद्य वर्ग, विशेषरूप से बच्चों पर हमला करने या उन्हें जान से मारने की बढ़ती घटनाओं पर प्रकाश डाला गया है। उनका कहना है कि यह स्थिति कुत्तों की अपर्याप्त नसबंदी और टीकाकरण के कारण हुई है। वे सड़क के कुत्तों को तत्काल हटाने और उन्हें अन्यत्र भेजने की मांग कर रहे हैं।

हालांकि, दूसरी याचिका में यह कहा गया है कि इस समस्या का मूल कारण अप्रभावी पशु स्वास्थ्य देखभाल और नियंत्रण, अवैध प्रजनन केंद्र, पालतू जानवरों के मालिकों द्वारा उन्हें सड़कों पर छोड़ देना है। उनका तर्क है कि इस स्थिति के लिए ज़िम्मेदार लोगों को सजा मिलनी चाहिए, जानवरों को नहीं।

इसके अतिरिक्त, भारत में ऐसे कानून हैं जिसके तहत सड़कों से कुत्ते को हटाना गैर-कानूनी है। इसका मतलब यह है कि यदि कोई कुत्ता सड़क पर रहता है, तो गोद लिए जाने तक सड़क पर रहना उसका "अधिकार" है। जानवरों के जीवन के अधिकार को मानव सुरक्षा संबंधी चिंताओं के साथ संतुलित करना एक कठिन काम सिद्ध हो रहा है।

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक दुविधाएं कौन-सी हैं?

(b) एक याचिका को दूसरे पर तरजीह देने के निहितार्थों का मूल्यांकन कीजिए।

(c) कौन-सी कार्रवाई से इस स्थिति का तात्कालिक और दीर्घावधि समाधान होगा?

As the Head of the Municipal Corporation, you are faced with a challenging situation wherein two groups of concerned citizens have approached you. One, expressing their frustrations and concerns regarding the menace caused by street dogs in the city and other, taking steps towards encouraging compassion and humane treatment to these silent beings.

The first plea highlights the rising incidents of stray dogs' attacking or killing the vulnerable members of society especially children. They point to inadequate sterilisation and vaccination of dogs as exacerbating the situation. They demand the immediate removal of street dogs and their relocation elsewhere.

The second plea however points to ineffective animal healthcare and control, illegal breeding centres, pet owners abandoning their pets on the streets as root of the problem. They argue that the system or the people responsible for the situation should be punished, not the animals.

Furthermore, India has laws in place that make it illegal to remove a dog from the streets. This means that once a dog is on the streets, it has a "right" to stay there unless adopted. Balancing the animals' right to life with human safety concerns is proving to be a difficult task.

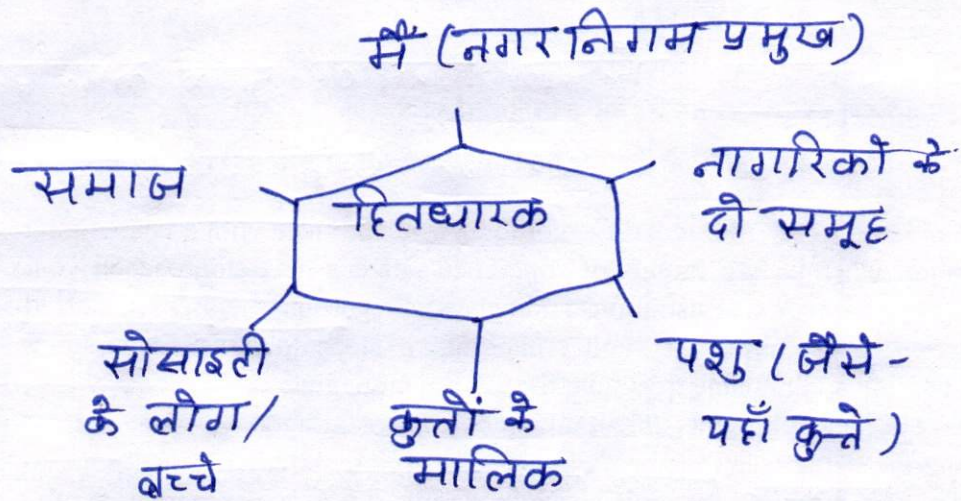
(a) What are the ethical dilemmas involved in the case?

(b) Evaluate the implications of favouring one plea over the other.

(c) What course of action would resolve the situation in the immediate as well as long term?

20

उपरोक्त कैस स्टडी पशु माधिकाओं की नैतिकता
 जैसे मुद्दे पर केन्द्रित है। फल ही में बॉम्बे हाइकोर्ट
 ने कहा है कि सड़क पर रहने वाले भावारा
कुत्तों के साथ अभद्र व्यवहार न करें।



कैस स्टडी को साल्व करने में शामिल मूल्य

करुणा

निष्पक्षता

समानुभूति

सौदरशीलता

व) नैतिक दुविधायें

- i) कुत्तों के अधिकार बनाम उन्हें सड़क से हटाकर मत्पत्र कहीं भैजना
- ii) मानव के अधिकार बनाम पशुओं के अधिकार
- iii) मानव-वन्पजीव संघर्ष
- iv) भावनात्मक समझ बनाम कायरता
- v) व्यापक हित बनाम संकीर्ण हित

b) अदि कुत्तों को सड़क से हटाकर मत्पत्र

होड़ा जाता है तो - ⊕ - कुत्ता काटने की घटनाओं में

- i) पशु नकारात्मक अधिकारों का उल्लंघन होगा / गैर काबूनी कृप
- ii) मानवों की पशुओं के खिलाफ नकारात्मक अभिवृत्ति विकसित होगी।
- iii) मानव-पशुओं के बीच का सहसंबंध टूट जाएगा।

b) जिम्मेदार लोगों पर कार्यवाही, पशुओं पर नहीं-

* (+ सकारात्मक, - - नकारात्मक)

+ इससे पशु अधिकार सुरक्षित

- हालांकि इसमें कुत्ता काटने जैसी घटनाओं में वृद्धि जिससे जीवन पर संकट (Art 21)

+ भविष्य में सुरक्षात्मक उपाय जैसे- टीकाकरण, नसबंदी आदि

में पशुओं को उस स्थान से हटाने की बजाय

सुरक्षात्मक कदम उठाएंगे जिससे मानव -

वन्धजीव सहसंबंध बना रहे।

तात्कालिक कदम

i) पशु स्वास्थ्य देखभाल पर ध्यान केन्द्रित

जैसे- टीकाकरण

नसबंदी

प्रजनन केंद्रों में मामलों का पालन सुनिश्चित करवाना

ii) जो कुत्ते भाकामक हो गये हैं उनके लिए

आश्रय गृहों की व्यवस्था

दीर्घकालिक तपस

- i) मानव-पशु संबंधों को सकारात्मक बनाने के लिए जागरूकता निर्माण
- ii) भाषिवृत्ति परिवर्तन (कुछ फिल्मों / उपन्यासों / रोल मॉडल्स के बारे में)
- iii) कुत्तों के विषय में सकारात्मक सूचनाएँ देकर लोगों में रूढ़िवाद पैदा करना

चौरी की घटनाएँ
रीढ़ने में सहायक

भावनात्मक संबंधों
से बेहतर परिणाम

निष्कर्षतः पशुओं के

विरुद्ध नकारात्मक भाषिवृत्ति को बदलकर
सम्बन्ध में पशु-मानव सहसंबन्ध निर्माण
स्थापित होना चाहिए।

11. आप युवा ईमानदार व्यक्ति हैं और जिले के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में आपकी नई नियुक्त हुई है। ब्यूरो में शामिल होने के बाद, आपके कार्यालय को एक गुमनाम व्यक्ति से सूचना मिली कि शहर के नगर निगम में काम करने वाले एक इंजीनियर ने अपनी आय के ज्ञात स्रोतों से कहीं अधिक संपत्ति अर्जित की है और वह भ्रष्ट गतिविधियों में शामिल है। चूंकि कानून में यह स्पष्ट है कि गुमनाम शिकायतों पर कार्रवाई नहीं की जा सकती, इसलिए आप शिकायत को नजरअंदाज कर देते हैं। हालांकि, अगले कुछ हफ्तों में आपको संबंधित इंजीनियर के खिलाफ कुछ और गुमनाम शिकायतें मिलीं। आप उस इंजीनियर के खिलाफ पूछताछ शुरू करते हैं और यह पाते हैं कि वह वास्तव में एक बहुत ही भ्रष्ट अधिकारी है। कुछ समय बाद, आप उसके कार्यालय और घर पर छापेमारी की योजना बनाते हैं, किंतु आपको आज तक उसके खिलाफ निर्धारित प्रारूप में कोई आधिकारिक शिकायत नहीं मिली है।

छापेमारी के दौरान आपको जो चीजें बरामद हुईं वे आपके और आपके स्टाफ के लिए चौंकाने वाली हैं। आपको न केवल इंजीनियर की क्षमता से कहीं अधिक मात्रा में बेहिसाब धन-दौलत मिली बल्कि सोना, विदेश यात्रा के टिकट, पांच सितारा होटलों में आरक्षण तथा प्रभावशाली राजनेताओं तथा जिले में पहले नियुक्त और वर्तमान में नियुक्त नौकरशाहों के खिलाफ पुख्ता सबूत मिले।

हालांकि, छापेमारी के तुरंत बाद, आपको अपने वरिष्ठ अधिकारियों से आपके दीर्घकालिक करियर और प्रियजनों की सुरक्षा के हित में जांच छोड़ने के लिए धमकी भरे संदेश प्राप्त होने लगते हैं। आपके वरिष्ठ अधिकारी आप पर आरोप लगाते हैं कि आपने छापेमारी के लिए निर्धारित नियमों का पालन नहीं किया था और यदि यह मामला अदालत तक पहुंच गया, तो प्रक्रियात्मक खामियों के कारण यह ज्यादा दिन तक नहीं चलेगा।

चूंकि, आप एक ईमानदार अधिकारी हैं इसलिए आप इन चेतावनियों को अनदेखा करते हैं और अपनी जांच जारी रखते हैं। हालांकि, जल्द ही आपको नियमों का उल्लंघन करने के आधार पर प्रशासनिक अवकाश पर भेज दिया जाता है। आपको यह भी पता चलता है कि आपके कुछ जूनियर्स ने आपके खिलाफ भ्रष्टाचार में शामिल होने की शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने यह भी शिकायत की है कि आपने उन्हें जांच को रोकने के लिए न केवल संबंधित इंजीनियर बल्कि उन राजनेताओं और नौकरशाहों से भी पैसे वसूलने का निर्देश दिया, जिनके खिलाफ आपने सबूत इकट्ठे किए थे।

उपर्युक्त परिदृश्य के आधार पर निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

- इस प्रकरण में शामिल विभिन्न हितधारकों एवं मुद्दों की पहचान कीजिए।
- प्रदत्त स्थिति में आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं?
- इनमें से प्रत्येक विकल्प के गुण और दोषों का विश्लेषण कीजिए।
- औचित्य सिद्ध करते हुए अपनी कार्रवाई पर चर्चा कीजिए।

You are young upright person who has been newly appointed in the Anti-Corruption Bureau of your district. After joining, your office receives a tip-off from an anonymous person that an engineer working with the Municipal Corporation of the city has amassed wealth much beyond his known sources of income and is hand in gloves in corrupt activities. Because the law is clear that anonymous complaints cannot be acted upon, you ignore the complaint. But in the next few weeks, you receive a few more anonymous complaints against the concerned engineer. You begin to make enquiries against the engineer and find that he is indeed a very corrupt officer. Some

time later, you make up your mind to conduct raids on his office and house, even though you have not received any official complaint in the prescribed format against him till date.

What you unearth during the raids is shocking for you and your staff. You find not only vast amounts of unaccounted currency, much beyond the means of the engineer, but also gold, travel tickets to visits made abroad, reservations in five-star hotels, and a whole bunch of clinching evidence against influential politicians and bureaucrats - appointed in the past as well as present ones - in the district.

However, soon after conducting the raid, you start receiving subtle messages from your superiors to drop the investigation in the interest of your own long-term career and the safety and security of your loved ones. They also point out that you had not followed the rules stipulated for conducting the raid, and if the matter were to reach the courts, it would be disposed off in no time due to procedural lapses on your part.

Since, you are an upright officer, you ignore these warnings and continue with your investigation. However, soon you are put on administrative leave on the ground of flouting the rules. You also come to know that a few of your juniors have filed a complaint against you for being involved in corruption. They have also complained that you instructed them to extort money from not only the concerned engineer but also the politicians and bureaucrats against whom you unearthed evidence, to put a halt to the investigation.

Based on the above scenario, answer the following:

- Identify the various stakeholders and the issues involved in the case.
- What options do you have in the given situation?
- Analyse the merits and demerits of each of these options.
- Discuss your course of action, with proper justification.

20

उपरोक्त केस स्टडी प्रशासनिक व्यवहार तथा
नेता - माथिकारी गठबन्ध (बलैट्री फ़ेसी) जैसे
मुद्दों पर केन्द्रित है।

दिलखाल

में - भ्रष्टाचार निवारक ब्यूरो में नियुक्त

गुमनाम व्यक्ति - जिसने भ्रष्ट अधिकारी की सूचना
दी है

भ्रष्ट अधिकारी - जिस पर शिकायत है।

राजनैता और अधिकारी - जिनके बिनाफ
सबूत मिले हैं।

वरिष्ठ अधिकारी -

आपके पिपजन्म - जिनकी जान को खतरा है।

जूनियर्स - जिन्होंने आप पर भ्रष्टाचार
का आरोप लगाया है।

नैतिक मुद्दे

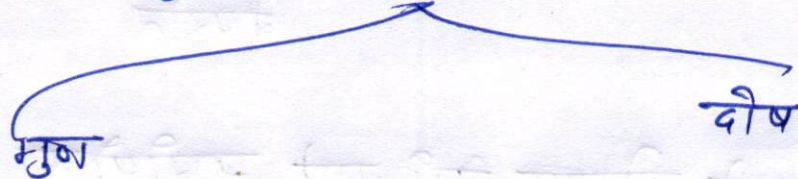
- (i) प्रशासनिक भ्रष्टाचार
- (ii) गुमनाम व्यक्ति की शिकायत पर
कार्रवाई तथा उसकी सुरक्षा
- (iii) नेता - अधिकारी गठजोड़ (स्लेप्टी कुंसी)
- (iv) जीवन का अधिकार (मनु 21)

(v) श्रद्धाचार के खिलाफ कार्यवाही

(vi) अपने ऊपर लगे आरोपों का स्पष्टीकरण

b & c मेरे पास उपलब्ध विकल्प व मूल्यों

④ दीर्घकालीन हित-रहित व परिजनों की सुरक्षा के लिए लॉच डॉड ड्रग



- मेरा करिण सुरक्षित
- मेरे परिजन सुरक्षित

- नेता-अधिकारी
- गाठजीड व
- श्रद्धाचार की
- बहावा

⑤ परिस्थितियों के हिसाब से प्रशासनिक
सुवकाश पर रहते हुए भी लॉच की
आगे बढ़ाना तथा सोशल मीडिया पर
मामले को उजागर करना

गुण

दोष

- अधिकारी व भ्रष्ट नेताओं का मनोबल हतोत्साहित होगा
- भ्रष्टाचार पर संकुश लग सकता है

- मेरा करिपर प्रभावित हो सकता है
- मेरे परिजनों पर संकट
- मीडिया से बात्चीत करना सिखिन्न सेवा मूल्यों के विपरीत

② अपनी खिलाफ किपी राफे आरोपों का स्पष्टीकरण तथा जाँच के लिए तैयार रहूँगा साथ ही जाँच की रिपोर्ट को सार्वजनिक करूँगा

गुण

दोष

- इससे मेरे ऊपर झूठे आरोप निराधार सिद्ध हो जायेंगे
- राजनीतिक भ्रष्टाचार पर रोक ब सार्थक हो

- मेरा करिपर तथा परिजन प्रभावित हो सकते हैं

d] मैं भावनात्मक बुद्धिमत्ता का प्रयोग
करते हुए विकल्प ③ का चयन करूँगा
क्योंकि

इससे भ्रष्टाचार पर प्रभुश ब कानूनी कार्रवाई (भ्रष्टाचार निरोधक Act, 1988)	मुझे अपनी बात रखने का मौका मिल जाएगा विसेल ग्लोअर्स की सुरक्षा भी सुनिश्चित कर पाऊँगा।	प्रशासनिक अवकाश के दौरान भी सत्यनिष्ठा बनी रहेगी।
---	---	---

निष्कर्षतः दबावों के

सामने न सुकने वाले IAS अधिकारी
सर्वोद्भुत मेरे लिए माग्नि स्रोत
बने रहेंगे।

12. आपको एक राज्य में मुख्य सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है। हाल ही में, आपके राज्य के दो लोक सेवकों से जुड़ा एक जटिल मुद्दा सामने आया है। दोनों अधिकारी जो अपनी-अपनी भूमिकाओं में उत्कृष्टता के लिए जाने जाते हैं, सोशल मीडिया पर एक गंभीर सार्वजनिक झगड़े में उलझ गए हैं।

अधिकारी A के द्वारा सोशल मीडिया पर कई इमेज और बयानों को पोस्ट करने के बाद यह विवाद शुरू हुआ, जिसका अंतर्निहित अर्थ यह था कि अधिकारी B, पोस्टिंग और पदोन्नति में अनुचित लाभ प्राप्त करने के लिए व्यक्तिगत संबंधों एवं नेटवर्किंग का इस्तेमाल कर रही है। हालांकि, यह कार्रवाई अप्रमाणित है लेकिन इसने अफवाहों का तूफान खड़ा कर दिया है, जिससे अधिकारी B की प्रतिष्ठा को काफी क्षति पहुंची।

अनुक्रिया स्वरूप अधिकारी B ने सोशल मीडिया पर ही अपना बचाव किया तथा अधिकारी A पर अनैतिक प्रथाओं को अपनाने और गोपनीयता के उल्लंघन का आरोप लगाया। वह अपने आंतरिक विभागीय मुद्दों का खुलासा करके एक कदम आगे बढ़ गई, जिसमें अधिकारी A कथित तौर पर शामिल था। इन आरोपों ने न केवल संघर्ष को बढ़ाया बल्कि जनता के सामने संवेदनशील जानकारी भी उजागर कर दी।

अधिकारी A के सोशल मीडिया पोस्ट को एक स्थानीय समाचार आउटलेट ने प्रमुखता से उठाया एवं उसे प्रचारित किया, जिससे स्थिति और भी बिगड़ गई। यह मुद्दा अब राज्य प्रशासन के दायरे से बाहर चला गया है, जिससे सार्वजनिक अटकलें और मीडिया जांच तेज हो गई है।

ये सभी घटनाएं सार्वजनिक मंच पर सामने आईं, इससे लोक सेवाओं की छवि खराब हुई है और राज्य प्रशासन के काम-काज में व्यवधान पैदा हुआ। केंद्र सरकार स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है और इसमें शामिल अधिकारियों के खिलाफ उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए दबाव डाला गया है।

- (a) इस प्रकरण में कौन-से नैतिक मुद्दे शामिल हैं?
(b) मुख्य सचिव के रूप में आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं?
(c) आप कौन-सा विकल्प चुनेंगे और क्यों?

You have been appointed as the Chief Secretary in a state. Recently, a complex issue has surfaced involving two civil servants from your state. Both the officers who are known for their excellence in their respective roles have found themselves embroiled in an intense public feud on social media.

Officer A initiated the dispute by posting a series of images and statements on social media, indirectly implying that Officer B has been utilizing personal relationships and networking for gaining undue advantages in job postings and promotions. This action, while unproven, has stirred up a storm of rumors, leading to severe reputational damage to Officer B.

In response, Officer B defended herself on the same platform, accusing Officer A of unethical practices and breach of confidentiality. She went a step further by revealing his internal departmental issues, which Officer A was supposedly involved in. These allegations have not only escalated the conflict but also exposed sensitive information to the public.

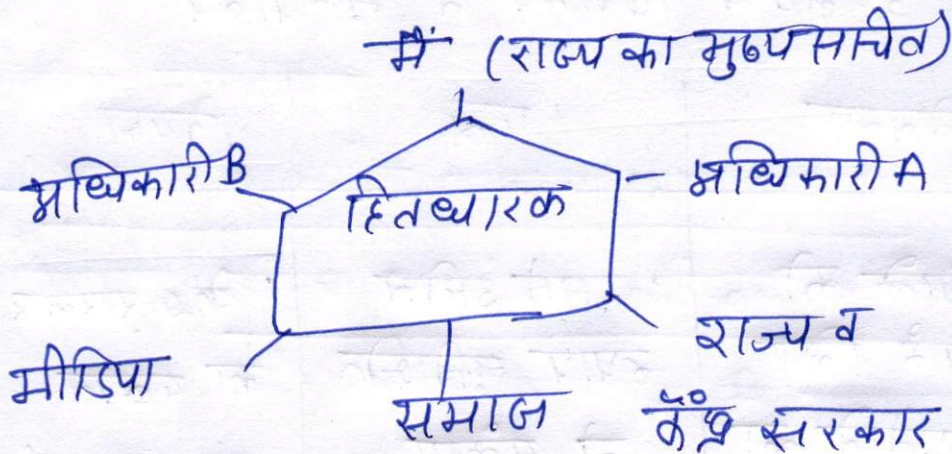
Officer A's social media posts have been prominently picked up and publicised by a local news outlet further escalating the situation. The issue has now gone beyond the realms of the state administration, leading to intense public speculation and media scrutiny.

All these events have unfolded on a public platform and have tarnished the image of the civil services and created a disruption in the working of the state administration. The Central Government is closely monitoring the situation and has exerted pressure for appropriate disciplinary action against the officers involved.

- (a) What are ethical issues involved in this situation?
 (b) What are the options available to you as the Chief Secretary?
 (c) Which option would you choose and why?

20

उपरोक्त कस स्टडी सोशल मीडिया के अनुचित
 उपयोग तथा सिविल सेवा के बुनियादी
 मूल्य मनामिता को नकारने जैसे मुद्दों
 पर केन्द्रित हैं।



a) नैतिक मुद्दे

- i) अनाधिकता के मूल्य का उल्लंघन
- ii) सिविल सेवकों की छवि
- iii) जनता-प्रशासन संबंध प्रभावित
- iv) गौपनीयता व निष्ठा हानन
- v) मीडिया का हित
- vi) लोक सेवकों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई

b) उपलब्ध विकल्प व मूल्यांकन

विकल्प	पक्ष	विपक्ष
① मामले की जांच के लिए एक समिति का गठन तथा समाचार व मीडिया के सूचनाएँ लीक करने पर रोक	<ul style="list-style-type: none"> • इससे उचित व्याप सुनिश्चित हो सकेगा • अफवाहों पर रोक 	<ul style="list-style-type: none"> • केंद्र सरकार का दबाव बढ़ सकता है

	पक्ष	विपक्ष
② अधिकारी A या अधिकारी B पर उचित अनुशासनात्मक कार्यवाही	इससे केंद्र सरकार व राज्य सरकार के निर्देशों का पालन	• सही स्थिति पता न हो जाने के कारण न्याय सुनिश्चित नहीं • गोपनीयता का निजता हकन
③ सभी हितधारकों को शामिल करके कोई समाधान निकालने का प्रयास	• इससे विवाद शांत हो सकता है। • सीडिपा द्वारा मफवाही पर रोक	• केंद्र सरकार के निर्देशों का पालन सुनिश्चित नहीं हो पायेगा
④ मामले से स्वयं को अलग करना	मैंने ऊपर किसी भी प्रकार का दबाव नहीं होगा।	• प्रशासन की छवि खराब • जनता - प्रशासन संबंध कमजोर

⑦ मैं विकल्प ① का चयन करूंगा क्योंकि -

- (i) समिति का गठन करने से स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।
- (ii) तत्पश्चात् दोनों अधिकारियों पर मीडिया दुरुपयोग या गोपनीयता उल्लंघन से संबंधित कार्यवाही
- (iii) इससे सौशल मीडिया झफवाहों पर रोक लगीगी।
- (iv) समाचार पत्रों / मीडिया के माध्यम से झफवाहें हक जानने से जनता-प्रशासन संबंध नकारात्मक रूप से प्रभावित नहीं होगी।

निष्कर्षतः आविष्कृत
में सिविल सेवा आचरण संहिता में सौशल मीडिया से संबंधित संशोधन करके आगामी समस्याओं से निपटा जा सकता है